to say it and behave like a goonda. I will call him a goonda if he says this.

SHRI ANANT PRASAD SHARMA (Bihar): Mr. Piloo Mody's remark should be taken as coming from a buffoon or they should be expunged.

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka): Sir, he has made a charge against all of jus. $H_e$ must withdraw these words. You must either expunge them or he must withdraw these words. *(Interruptions)* He has made a charge against all of us. (Interruptions) He must either withdraw these words or you must expunge them. ***(Interruptions).*** Sir, he must withdraw these words.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Sir, we support the arrest of Mr. K. K. Birla. He should be arrested and prosecuted because they are the friends of Mrs. Indira Gandhi. They have always been supporting Mrs. Indira Gandhi. Mr. K. K. Birla should be arrested and prosecuted.

*(Interruptions)*

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, Mr. Piloo Mody must withdraw his words.

MR. DEPUTY CHAIHMAN: I will see the records and see what is to be expunged.

SHRI PILOO MODY: There is nothing which needs expunging. It is all on record. ***(Interruptions).***

## REFERENCE TO ALLEGED MISRE-PORTING BY ALL INDIA RADIO AND DOORDARSHAN ABOUT THE ARREST OF SHRIMATI INDIRA GANDHI

**श्री श्रीकांत वर्मा** (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, जनता पार्टी के नेता और जनता पार्टी की सरकार आकाशवाणी और दूर-दर्शन जैसे संचार माध्यमों की स्वतंत्रता की उठते-बैठते दुहाई देती रहती है। उसका इन माध्यमों की स्वतंत्रता में कितना विश्वास है, यह हमें रोज देखने को मिलता है। परसों श्रीमती इंदिरा गांधी की गिरफ्तारी के तुरन्त बाद आकाशवाणी और दूर-दर्शन ने जिस तरह का न्यूज-बुलेटिन प्रसारित किया उससे यह बिलकुल साफ हो गया कि इन माध्यमों की स्वतंत्रता में जनता का विश्वास नहीं रह गया है। अपनी गिरफ्तारी के आदेश के तुरन्त बाद लगभग साढ़े 5 बजे या पौने 6 बजे श्रीमती इंदिरा गांधी ने सम्वाददाताओं को एक वक्तव्य दिया और उसमें यह स्पष्ट किया कि मैं अपनी गिरफ्तारी का विरोध नहीं कर रही हूं और मैं सदन में इसलिए बैठी हूं कि मैं चाहती हूं कि पुलिस मुझे यहां से गिरफ्तार करके ले जाये और उसके एक घंटे बाद उन्होंने फिर पत्रकारों के सामने इस बात का स्पष्टीकरण किया, लेकिन फिर भी दूर-दर्शन ने 8 बजे रात को अपने समाचार बुलेटिन में यह कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी अपनी गिरफ्तारी के आदेश के बाद सदन में बैठी रहीं। इस तरह से यह धारणा उत्पन्न करने की कोशिश की गई कि वे अपनी गिरफ्तारी का विरोध कर रही हैं... *(Interruptions)* मैं ये बातें तथ्यों के आधार पर कह रहा हूं और उनके ऊपर बहस की गुंजायश नहीं है। उसके बाद श्रीमती इंदिरा गांधी का ध्यान इस ओर आकर्षित किया गया कि आकाशवाणी और दूर-दर्शन द्वारा इस आशय के समाचार प्रसारित किये गये हैं कि वे अपनी गिरफ्तारी का विरोध कर रही हैं। उन्होंने तुरन्त इसका खण्डन किया और एक दूसरा वक्तव्य दिया जिसे समाचार-पत्रों ने प्रकाशित किया। इसके बावजूद पौने 10 बजे के बुलेटिन में टेलीविजन में यह बात दोहराई गई कि श्रीमती गांधी वहां पर बैठी रहीं, जब कि सच्चाई यह थी कि श्रीमती गांधी को गिरफ्तारी का वारन्ट 8.47 बजे पर प्राप्त हुआ था। उसके बाद भी उनको अनेक दरवाजों पर घुमाया

[श्री श्रीकान्त वर्मा]

गया जैसे कि वे रंगा और बिल्ला की श्रेणी के अपराधी हों । यह तो श्रीमती इंदिरा गांधी की गिरफ्तारी की बात है । कल इस राज्य सभा के सदन की घटनाओं को जिस तरह से तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया वह भी सब के सामने है । यह भी कहा गया है कि सदन में कांग्रेस आई के सदस्य शोर-सराबा करते रहे । उपसभापति महोदय, सारा सदन. . .

*(Interruptions)*

**श्री मनुभाई पटेल** (गुजरात) : आपकी तरफ से तो शुरूआत होती ही है । हम आपकी बातों को खामोशी के साथ सुनते हैं । यह आपकी तरफ से होता है ।

*(Interruptions)*

SHRI JAGJIT SINGH ANAND (Punjab): What is happening in this House is totally distorted on the AIR.

**श्री श्रीकान्त वर्मा** : उपसभापति महोदय, आकाशवाणी और दूरदर्शन में जरा भी स्वतंत्रता की इच्छा है तो उसे आज की कार्यवाही की रिपोर्ट करते समय यह बात जरूर रिपोर्ट करनी चाहिए कि जनता पार्टी के सदस्यों ने एक विरोधी वक्ता को बोलने में बाधा पहुंचाई और मैं देखूंगा *(Interruptions)* सच्चाई यह है कि *(Interruptions)* सूचना मंत्री ने एक लिस्ट प्रसारित की है जिसमें अनेक सदस्यों के नाम हैं और यह कहा गया है कि वे जो कुछ भी कहते हैं उसको रिपोर्ट न किया जाये और यदि उसकी रिपोर्ट की जाये तो ऐसे ढंग से दी जाये कि उसका कोई सार न आये । उसमें नाम है डा० वी० पी० दत्त, श्री चरणजीत चानना, प्रणब मुकर्जी, कल्प नाथ राय और मैं, और बहुत से लोग जैसे बाला साहब देवरस . . .

*(Interruptions)*

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर** (उत्तर प्रदेश) : यह मैं किसका नाम है ?

**श्री श्रीकांत वर्मा** : इसके अलावा प्रधान मंत्री सचिवालय ने सूचना मंत्रालय को यह आदेश दिया है, मैं प्रमाणों के आधार पर बोल रहा हूं कि मधु लिमये और चौधरी चरण सिंह के वक्तव्यों को नजरअन्दाज किया जाये ।

*(Interruptions)*

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर** : मैं माननीय सदस्य से निवेदन करता हूं कि जिन सदस्यों के नाम हैं उसकी सूची दे दी जाये ।

*(Interruptions)*

**श्री श्रीकांत वर्मा** : प्रधान मंत्री सचिवालय ने कहा है कि चौधरी चरण सिंह और मधु लिमये के वक्तव्यों को प्रसारित न किया जाये ।

*(Interruptions)*

**श्री मनुभाई पटेल** : यह बिल्कुल गलत बात है । *(Interruptions)* आपने दूसरी बात कहना शुरू कर दिया है । जब आप ठीक बोलें तो सुनना चाहिए, लेकिन जब गलत बात बोलते हैं तो फिर व्यवधान हो जाता है । ऐसी बात रिकार्ड में आये, वह भी हाउस की प्रोसीडिंग्स में तो यह ठीक नहीं है । उनको जो कहना चाहिए वह कहें पर उन्होंने पार्टी की जो बात की है उसे नहीं कहना चाहिए । हमारी पार्टी के बारे में उनको ऐसी गलत बात नहीं कहनी चाहिए । उनको इसकी आवश्यकता ही नहीं है ।

SHRI ANANT PRASAD SHARMA (Bihar): You have done your duty.

**श्रीमती कुमुदबेन मणिशंकर जोशी** (गुजरात) : मेहरबानी करके आप खामोश रहिये ।

*(Interruptions)*

**श्री मनुभाई पटेल** : आपको क्या है ? मैं उनको जवाब दे रहा हूं । आप तो कल से उपवास पर हैं, आपका उपवास चल रहा है ।

*(Interruptions)*

**श्रीमती कुमुदबेन मणिशंकर जोशी** : आप तो बात-बात पर अड़ रहे हैं ।

**श्री कल्प नाथ राय** (उत्तर प्रदेश): यह मोरारजी देसाई के चमचे हैं । बैठो ।

*(Interruptions)*

**श्री सतपाल मित्तल** (पंजाब) : इन्हें आडवाणी जी की सीट पर बिठा दीजिए । (*Interruptions*) आप उस सीट पर जा कर बैठ जाइये ।

(Interruptions)

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: While Shri Ram Kripal Sinha is sitting in bis seat and interjecting, that is reported on the TV but our submissions to 1 ue Chair are not reported.

**श्री श्रीकांत वर्मा :** श्रीमन्, मैं समाप्त कर रहा हूं । यह मेरा दोष नहीं है । इसमें इतनी बाधायें पड़ रही हैं । सत्य इतना कड़वा होता है उपसभापति महोदय, इतना ही नहीं मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इस विवाद में जनता पार्टी के जिम्मेदार कहलाने वाले सदस्य और मंत्री महामहिम राष्ट्रपति का नाम भी घसीट रहे हैं । आज सारे सदन को (*Interruptions*) सारे देश को यह पता है कि पिछले कुछ समय में राष्ट्रपति महोदय ने यह प्रयत्न किया है कि देश में तनाव न बढ़े और पार्टियों का कानफ्रंटेशन न हो । इससे क्षुब्ध होकर जनता पार्टी के . . .

*(Interruptions)*

**श्री मनुभाई पटेल** : उनका स्पेशल मैंशन कौन सा था । जो मद्दा कहना था वह तो कह दिया है . . .

*(Interruptions)*

**श्रीमती सरोज खापर्डे** (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, आप उनको कंट्रोल कीजिए ।

**श्री मनुभाई पटेल :** उपसभापति महोदय, आप उनको कंट्रोल कीजिए और उन्होंने जो गलत बातें कह दी हैं अब उनको उनका जो सबजेक्ट है उस पर मर्यादित कीजिए ।

**श्री श्रीकान्त वर्मा :** आप जानते हैं कि बहुत शांत रहने वाला हूं और तथ्यों पर आधारित बातें करता हूं । सूचना मंत्रालय और प्रधान मंत्री सचिवालय ने यह दबाव डाला और परसों श्री निहाल सिंह, जो स्टेट्समैन के सम्पादक हैं का लेख छपा है—'साइलेंस इज गोल्डन' जिसमें राष्ट्रपति महोदय को न केवल उपदेश दिया है बल्कि उनकी कड़े शब्दों में निंदा और भर्त्सना की गई है . . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please don't raise these things now. How is it relevent? Please resume your seat now.

**श्री श्रीकान्त वर्मा :** मैं केवल इतना ही कह कर समाप्त करना चाहता हूं कि जनता पार्टी के सदस्य उत्तेजित न हों बल्कि इस स्थिति पर विचार करें और जिस स्वतंत्रता का नाम लेकर वे चुन कर आए हैं कहीं वह खतरे में तो नहीं है । अगर वह खतरे में है तो वे भी खतरे में पड़ जाएंगे ।

**श्री सुलतान सिंह** (हरियाणा) : उपसभापति महोदय, इसी विषय में मैं भी . . .

**श्री उपसभापति :** अब यह बात नहीं होगी ।

**श्री सुलतान सिंह :** आपकी हाजरी में मैंने इसी हाउस में कहा था कि मोरारजी भाई के बेटे और चौधरी चरण सिंह के परिवारों पर इल्जाम लगते हैं . . .

**डा० भाई महावीर** (मध्य प्रदेश) : श्रीमन्, क्या उन्होंने इजाजत ली है . . .

*(Interruptions)*

**श्री सुलतान सिंह :** जो मैंने कहा चौधरी चरण सिंह के बारे में वह रेडियो पर, टेलीविजन पर नहीं आया और दूसरा प्रदर्शन आया । यह बिलकुल ठीक बात है कि रेडियो एकतरफा कार्यवाही कर रहा है . . .

**श्री उपसभापति :** यह रिकार्ड पर नहीं जाएगा

*(Shri Sultan Singh continued to* speajc)